

---

# Kayasthakritam Surya Stotram 25

---

## कायस्थकृतं सूर्यस्तोत्रम् २५

---

### Document Information



---

Text title : Kayasthakritam Surya Stotram 25

File name : kAyasthakRRitaMsUryastotram25.itx

Category : navagraha, lakShmInArAyaNIyasaMhitA, stotra

Location : doc\_z\_misc\_navagraha

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : lakShmInArAyaNIyasaMhitA | khaNDa 2 | adhyAya 263/49-52||

Latest update : February 28, 2026

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

February 28, 2026

*sanskritdocuments.org*

---



——  
कायस्थकृतं सूर्यस्तोत्रम् २५



मन्ये सूर्यः स्वयं नारायणो मे कृपयाऽद्भुतः ॥ ४९ ॥

प्रकाशमागतस्त्वत्र भक्तानुग्रहकारकः ।

नमः सहस्ररूपाय नमः सहस्ररश्मये ॥ ५० ॥

नमो भक्तकृपाकर्त्रे नमः सहस्रचक्षुषे ।

नमो जगत्प्रकाशाय सर्वभूतप्रचक्षुषे ॥ ५१ ॥

परब्रह्मस्वरूपाय मोक्षदात्रे नमो नमः ।

नमस्तेजोऽभिहन्त्रे च रोगहन्त्रे नमो नमः ॥ ५२ ॥

इत्युक्त्वा निपपाताऽसावूर्जव्रतोऽस्य पादयोः ।

इति श्रीलक्ष्मीनारायणीयसंहिता । खण्ड २। अध्याय २६३-अध्यायान्तर्गतं  
कायस्थकृतं सूर्यस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

लक्ष्मीनारायणीयसंहिता । खण्ड २। अध्याय २६३/४९-५२ ॥

lakShmInArAyaNIyasaMhitA . khaNDa 2. adhyAya 263/49-52..

Proofread by PSA Easwaran

---

——  
*Kayasthakritam Surya Stotram 25*

pdf was typeset on February 28, 2026

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

